कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MJY–001

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)
(एम. ए. जे. वाई.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2023

एम.जे.वाई.–001 : भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं ऐतिहासिकता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल* ***दो*** *खण्डों में विभक्त है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड-क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तार से उत्तर दीजिए :* *3×20=60*

1. संस्कृत वाङ्मय का विस्तृत वर्णन कीजिए।
2. वेदाङ्ग साहित्य पर प्रकाश डालिए।
3. त्रिस्कन्ध ज्योतिष-शास्त्र का परिचय लिखिए।
4. ज्यातिषशास्त्र के प्रवर्तक आचार्यों का परिचय दीजिए।

5. ज्योतिषशास्त्र की उत्पत्ति और विकास का वर्णन कीजिए।
6. ज्योतिषशास्त्र की वेदाङ्गता पर विस्तृत विवेचना कीजिए।

खण्ड-ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* 4×10=40

1. ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता का प्रतिपादन कीजिए।
2. पर्यावरण और ज्योतिष में क्या सम्बन्ध है ? उल्लेख कीजिए।
3. शिक्षा के क्षेत्र में ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता का वर्णन कीजिए।
4. ज्योतिषशास्त्र में भास्कराचार्य के योगदान का विवेचन कीजिए।
5. त्रिस्कन्ध ज्योतिषशास्त्र का वर्णन कीजिए।
6. स्वास्थ्य के क्षेत्र में ज्योतिषशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
7. प्राकृतिक समस्याएँ और ज्योतिष पर तथ्यपरक विश्लेषण कीजिए।
8. सार परिवार का विस्तृत विवेचन कीजिए।